VISION IAS

www.visionias.in

VISION IAS
M N
16 NOV 2016
No. 3
RECEIVED

GENERAL STUDIES (TEST CODE : 760)

Name of Candidate	KANCHAN KUMAR KANDPAL		
Medium Hindi/Eng.	HINDI	Registration Number	26216
Center	MN	Date	16/11/16

INDEX TABLE

Q. No.	Maximum Marks	Marks Obtained
1(a)	10	
1(b)	10	
2(a)	10	
2(b)	10	
3(a)	10	
3(b)	10	
4(a)	10	
4(b)	10	
5(a)	10	
5(b)	10	
6	10	
7	10	
8	10	
9	20	
10	20	
11	20	
12	20	
13	20	
14	20	

Total Marks Obtained:

Remarks:

INSTRUCTIONS

1. Do furnish the appropriate details in the answer sheet (viz. Name, Registration Number and Test Code).
   उत्तर पुस्तिका में सूचनाएं भरना आवश्यक है (नाम, प्रश्न-पत्र कोड, विद्यार्थी क्रमांक आदि)।
2. There are FOURTEEN questions printed in HINDI and ENGLISH.
   इसमें चौदह प्रश्न हैं तथा हिन्दी और अंग्रेजी दोनों में छपे हैं।
3. All questions are compulsory.
   सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।
4. The number of marks carried by a question/part is indicated against it.
   प्रत्येक प्रश्न/भाग के अंक उसके सामने दिए गए हैं।
5. Answers must be written in the medium authorized in the Admission Certificate, which must be stated clearly on the cover of this Question-Cum-Answer (QCA) Booklet in the space provided. No marks will be given for answers written in medium other that the authorized one.
   प्रश्नों के उत्तर उसी माध्यम में लिखे जाने चाहिए जिसका उल्लेख आपके प्रवेश पत्र में किया गया है और उस माध्यम का स्पष्ट उल्लेख प्रश्न-सह-उत्तर (क्यूसीए) पुस्तिका के मुख्य पृष्ठ पर अंकित निर्दिष्ट स्थान पर किया जाना चाहिए। उल्लिखित माध्यम के अतिरिक्त अन्य किसी माध्यम में लिए गए उत्तर पर कोई अंक नहीं मिलेंगे।
6. Word limit in questions, if specified, should be adhered to.
   प्रश्नों में शब्द सीमा, जहाँ विनिर्दिष्ट है, का अनुसरण किया जाना चाहिए।
7. Any page or portion of the page left blank in the Question-Cum-Answer Booklet must be clearly struck off.
   उत्तर पुस्तिका में खाली छोड़ा हुआ पृष्ठ या उसके अंश को स्पष्ट रूप से काटा जाना चाहिए।

EVALUATION INDICATORS

1. Alignment Competence
2. Context Competence
3. Content Competence
4. Language Competence
5. Introduction Competence
6. Structure - Presentation Competence
7. Conclusion Competence

Overall Macro Comments / feedback / suggestions on Answer Booklet:

1.

2.

3.

4.

5.

6.

All the Best

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Answer the following questions is not more than 150 words each.

1. **(a)** Celebrities are paid huge amounts by companies for endorsing products that at times turn out to be harmful for the consumers. Examine the ethical dimensions involved in such instances. 10

विज्ञापन के लिए सेलेब्रिटीज (ख्यातिप्राप्त व्यक्ति) को ऐसे उत्पादों के कंपनियों द्वारा मोटा भुगतान किया जाता है जो कई बार उपभोक्ताओं के लिए हानिकारक होते हैं। ऐसे दृष्टांतों से जुड़े नैतिक आयामों का परीक्षण कीजिए।

वर्तमान उपभोक्तावादी युग में उत्पाद की पहुँच को अधिकतम स्तर तक पहुँचाने के लिए लिये जाने वाले तमाम फैसलों में से एक चर्चित सेलिब्रिटी को ब्रांड अंबेसडर के लिए प्रयुक्त करना है, जो अपने ख्यातिलब्ध व्यक्तित्व के द्वारा उत्पाद को अधिकतम व्यक्तियों तक पहुँचाने में सफल होते हैं,

किंतु ये सेलिब्रिटि उत्पाद की गुणवत्ता/प्रभाव का अध्ययन किये बिना सिर्फ धन के बदले अपने नाम के प्रयोग की अनुमति दे देते हैं,

इससे जुड़े नैतिक मुद्दों को निम्न बिंदुओं के द्वारा समझा जा सकता है -

(1). चूँकि उपभोक्ता का विश्वास, सेलेब्रिटी से जुड़ा रहता है, अतः उत्पाद के हानिकारक साबित होने पर विश्वास की हानि,

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2). चूँकि सेलिब्रिटी को पूरी प्रसिद्धि आम जनमानस के माध्यम से मिली होती है, अतः उन तक सही संदेश पहुंचाना उसकी नैतिकता का अनिवार्य अंग होना चाहिए।

3). उत्पाद के विज्ञापन से पूर्व अपने उत्पाद की समग्र जानकारी संबंधित सेलिब्रिटी को देना उत्पादक की नैतिकता से संबंधित है।

4). सचिन तेंदुलकर, अक्षय कुमार आदि प्रमुख सेलिब्रिटीज द्वारा धूम्रपान / नशायुक्त पदार्थों के विज्ञापन से इंकार करना इसके श्रेष्ठ उदाहरण है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

1. **(b)** Lack of cleanliness in urban areas despite schemes such as the Swachh Bharat Abhiyan point to difficulties faced in bringing about attitudinal and behavioural changes. Discuss. 10

स्वच्छ भारत अभियान जैसी योजनाओं के बावजूद शहरी क्षेत्रों में साफ-सफाई का अभाव वस्तुतः लोगों की सोच के साथ-साथ उनके व्यवहार को परिवर्तित करने में सामना की जाने वाली कठिनाइयों को इंगित करता है। चर्चा कीजिए।

स्वच्छ भारत अभियान वर्ष 2019 तक सम्पूर्ण स्वच्छता के लक्ष्य को लेकर चलाया गया गुह्यस्तर का अभियान है, जिसका महत्वपूर्ण घटक 'शहरी स्वच्छता' है।

यद्यपि शहरी क्षेत्र में लोग साक्षरता के उच्च स्तर व सामाजिकरण के कारण स्वच्छता के प्रति जागरूक होते हैं, किन्तु उनकी सोच व व्यवहार को स्वच्छता के प्रति सक्रिय रूप से क्रियान्वित कराना प्रमुख चुनौती है। इस प्रक्रिया में प्रमुख कठिनाईयों को निम्नवत समझा जा सकता है -

1). स्वच्छता की सीमा को केवल घर की देहरी के भीतर तक ही समझना।

2). खुले स्थलों पर शौच व अन्य प्राकृतिक क्रियाओं के प्रति सजगता का अभाव।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3). सार्वजनिक स्थलों पर स्वच्छता के प्रति असंवेदनशील रहना।

4). सार्वजनिक स्थलों, परिवहन साधनों की स्वच्छता की जिम्मेदारी दूसरे (सरकार) की समझना।

5). सम्पूर्ण जागरूकता के बावजूद घरेलू अपशिष्ट के पृथक्करण (गीला व सूखा अपशिष्ट) हेतु अक्रियाशील रहना।

स्पष्टतः शहरी स्वच्छता का मूल उपाय नागरिकों को में सोच के साथ-साथ व्यवहारात्मक स्तर पर बदलाव के प्रयत्न करना है, सघन प्रचार द्वारा इस उद्देश्य की पूर्ति की जा सकती है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

2. (a) Issues around economic inclusion are not just about income gaps, there are many dimensions of moral and ethical choices as well. Discuss. 10
आर्थिक समावेशन से जुड़े मुद्दे केवल आय अंतराल से संबंधित नहीं हैं, बल्कि इसमें नैतिक और आचारीय चयन के कई आयाम भी हैं। चर्चा कीजिए।

प्रत्येक व्यक्ति को संगठित वैत्तिक व वित्तीय प्रणाली से जोड़ना, आय में असमानता के स्तर को न्यूनतम करना तथा समावेशी आर्थिक विकास के लक्ष्यों के लिए प्रयत्नशील रहना आर्थिक समावेशन कहलाता है।

किंतु इसे केवल आर्थिक गतिविधि के तौर पर ही नहीं देखा जाना चाहिए, अपितु यह नैतिक व आचारीय आयाम भी धारण करता है -

1). समावेशन की केवल ऊर्ध्वाधार प्रक्रिया को न अपनाकर क्षैतिज समावेशन की ओर ध्यान देते हुए महिलाओं को भी शामिल करना।

2). पेंशन स्कीम, अधिकतम लाभ के व्यर्थ वायदों पर आधारित आर्थिक समावेशन नैतिक रूप से अनुचित होगा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3). आर्थिक विषमता को समाप्त करने की प्रक्रिया नक्सलवाद / माओवाद जैसी हिंसक विचारधारा पर नहीं बल्कि समावेशन के सृजनात्मक रूप पर निर्भर होनी चाहिए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) Socially and economically marginalized women are used to make a profit, often at the cost of their own health and reproductive autonomy, in the name of commercial surrogacy. Discuss the ethical issues associated with commercial surrogacy in India. Should commercial surrogacy be completely banned? 10

सामाजिक और आर्थिक रूप से हाशिए पर रहने वाली महिलाओं का वाणिज्यिक सरोगेसी के नाम पर, अक्सर उनके स्वास्थ्य और प्रजनन संबंधी स्वायत्तता की कीमत पर, लाभ कमाने के लिए उपयोग किया जाता है। भारत में वाणिज्यिक सरोगेसी से जुड़े नैतिक मुद्दों पर चर्चा कीजिए। क्या वाणिज्यिक सरोगेसी पर पूर्ण प्रतिबंध लगा दिया जाना चाहिए?

वाणिज्यिक सैरोगेसी के तहत कोई महिला, किसी अन्य दम्पति के गर्भ को आर्थिक लाभ के बदले धारण करती है, किंतु विनियमन के अभाव में यह, महिलाओं के शोषण का माध्यम बन चुकी है।

भारत में वाणिज्यिक सैरोगेसी से जुड़े नैतिक मुद्दे

1). विनियमन के अभाव, शुल्क संविदा (fee contract) के अभाव में अत्यन्त न्यून कीमत दी जाती है।

2). आर्थिक लाभ कमाने के लिए गरीब महिलाओं से उनका परिवार दबाव डालकर यह कार्य करवाता है।

3). महिला को केवल आर्थिक मूल्य

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

देकर, उसके सामाजिक व भावनात्मक मूल्य की तरफ ध्यान नहीं दिया जाता।

5). प्राप्त आर्थिक लाभ को भी अधिकांशतः परिवार के पुरुष सदस्य ले लेते हैं।

वाणिज्यिक सेरोगेसी पर पूर्ण प्रतिबंध

यद्यपि नए सेरोगेसी विधेयक में वाणिज्यिक सेरोगेसी को पूर्णतः प्रतिबंधित कर दिया गया है, किंतु व्यवस्था का दुरुपयोग, उसके सुधार के लिए प्रेरित करता है, प्रतिबंध के लिए नहीं, अतः

1). सेरोगेसी विनियामक संस्था का गठन कर उसे मजबूत बनाना चाहिए,

2). शुल्क संविदा तथा प्रसव पश्चात समस्त लाभ को पूर्वनिर्धारित करना चाहिए,

3). सेरोगेसी क्लीनिकों का अनिवार्य पंजीकरण व रेगुलर निरीक्षण करना चाहिए,

4). विभिन्न प्रचार माध्यमों से सेरोगेसी संबंधी जागरूकता अभियान चलाना चाहिए

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3. (a) While discussing the ethical issues that journalists face on a regular basis, examine the causes of increased sensationalism in news media in recent times. 10

पत्रकारों द्वारा नियमित रूप से सामना किये जाने वाले नैतिक मुद्दों पर चर्चा करते हुए, हाल के दिनों में समाचार जगत में अधिक से अधिक सनसनी फैलाने के कार्य के कारणों का परीक्षण कीजिए।

बढ़ती प्रतिस्पर्द्धा, आर्थिक लाभ प्रेरित मानसिकता के कारण पत्रकारों के समक्ष अनेक नैतिक मुद्दे खड़े हो उठते हैं-

1). पेड न्यूज द्वारा प्राप्त आर्थिक लाभ या वास्तविक खबर का प्रकाशन कर पत्रकारित धर्म में से चुनाव,

2). सनसनी खेज खबर प्रकाशित करने के लिए व्यक्ति की निजी जिंदगी में प्रवेश,

3). येलो जर्नालिज्म का बढ़ता प्रभाव

4). सामाजिक मुद्दों के अपेक्षा पेज थ्री, गैर आवश्यक किंतु रोचक मुद्दों को जगह देना,

5). खबर को शीघ्र प्रकाशित करने के लिए बिना प्रमाणिकता के साथ प्रकाशन,

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

वर्तमान मीडिया परिदृश्य के उत्तरदायी कारण –

1). बढ़ती प्रतिस्पर्द्धा में अपना उद्देश्य पत्रकारिता धर्म नहीं बल्कि TRP को बना लेना।

2). खबरों को सबसे पहले पहुँचाने की होड़ में अप्रमाणिक खबरों को ही प्रसारित कर देना।

3). उपभोक्तावादी संस्कृति के प्रभाव के कारण आमजनमानस में 'सेलिब्रिटी कल्चर' की तरफ बढ़ता रुझान।

4). सामाजिक संस्थाओं के गिरते स्तर के कारण लोगों का उनपर विश्वास कम होना।

स्पष्ट: मीडिया, मांग के अनुरूप ही सामग्री प्रस्तुत करता है। व दर्शक परोसी गई सामग्री को ही देखता है। ऐसी चक्रीय प्रणाली के कारण ही मीडिया के वर्तमान स्वरूप का निर्माण हुआ है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) What are the various sources through which humans can judge the correctness of their actions? In the context of public life discuss how these sources are important in offering a clear and practical guidance. 10

वे विभिन्न स्रोत क्या हैं जिनके माध्यम से मनुष्य अपने कृत्यों के औचित्य का परीक्षण कर सकता है? चर्चा कीजिए कि सार्वजनिक जीवन के संदर्भ में स्पष्ट और व्यावहारिक मार्गदर्शन प्रदान करने में ये स्रोत किस प्रकार महत्वपूर्ण हैं?

किसी कृत्य का औचित्य उसकी नैतिकता, कृत्य के समय की परिस्थितियों व कृत्य के परिणामों के आधार पर ही निर्धारित होता है।

निर्धारक तत्व-

1). मनुष्य ने सामाजीकरण की प्रक्रिया के माध्यम से नैतिकता संबंधी जो मानक तय किये हैं, क्या कार्य उनके अनुकूल है?

2). कृत्य करते समय जो परिस्थितियाँ थी, क्या उनमें यही कृत्य सर्वश्रेष्ठ विकल्प हो सकता था?

3). कृत्य द्वारा जो समूह प्रभावित हुए, उन पर सकारात्मक/नकारात्मक, कैसा प्रभाव पड़ा?

4). वह कृत्य भावी व्यक्तियों के समक्ष

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

क्या आदर्श प्रस्तुत करेगा?

इन स्रोतों की मार्गदर्शन में भूमिका:

किसी व्यक्ति के कृत्य (वर्तमान) ही उसके भावी प्रतिक्रियाओं के निर्धारक होते हैं, वर्तमान कृत्य का उपर्युक्त स्रोतों के आधार पर मूल्यांकन कर हम आत्मसंतुष्ट होते हैं, अथवा पुनर्मूल्यांकन कर भविष्य में बेहतर कार्य करने के लिए प्रेरित होते हैं।

अतः ये स्रोत ही सही/गलत, नैतिक/अनैतिक का भान कराकर हमारे मार्गदर्शक बनते हैं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

4. (a) Should a person resort to leaking of information in case of wrongs done in the organization ? Does it cause a conflict of interest between the personal, organizational and societal spheres? Discuss with examples. 10
क्या संगठन में की गई गलतियों के संबंध में व्यक्ति को सूचना लीक करनी चाहिए? क्या यह व्यक्तिगत, संगठनात्मक और सामाजिक क्षेत्रों के बीच हितों का टकराव पैदा करता है? सोदाहरण चर्चा कीजिए।

यदि किसी संगठन में, व्यक्तिगत अपेक्षाओं / मान्यताओं के विपरीत गलत कार्य हो रहा है, तो उसे लीक करने / न करने का निर्णय निम्न चरणों के माध्यम से समझा जा सकता है—

1). सर्वप्रथम व्यक्ति को पूर्णतया आश्वस्त होकर अपने वरिष्ठ अधिकारी के समक्ष अपना विरोध प्रकट करना चाहिए,

2). यदि संगठन की गलती प्रक्रियात्मक / मानवीय / सूक्ष्म प्रतिस्पर्द्धात्मक लाभ प्रेरित है, तो उसे सांगठनिक स्तर पर ही सुलझाना चाहिए,

3). यदि गलती ऐसी है, जिससे पूरे समाज की सुरक्षा पर खतरा हो, तो सामाजिक उत्तरदायित्व को प्रमुखता देते हुए, लीक करना नैतिक होगा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

जैसे- स्नोडेन द्वारा ऑपरेशन प्रिज्म से संबंधित सूचनाएँ लीक करना।

वस्तुतः ऐसी स्थिति जहाँ व्यक्तिगत स्तर पर नैतिक द्वंद्व को जन्म देती है, तो वहीं संगठन के स्तर पर इसे गोपनीयता व सत्यनिष्ठा के मानकों के आधार पर निर्धारित किया जाता है। और समग्र रूप से यह सामाजिक कर्तव्यों के स्तर पर व्यक्ति को उद्वेलित करती है। स्पष्टतः यह तीनों स्तर पर हितों के टकराव की उपस्थिति को जन्म देता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) Competition, it is argued, spurs the best of performance, however, can it also instigate cheating and unethical behaviour? Discuss with adequate examples. 10

यह तर्क दिया जाता है कि प्रतियोगिता सर्वोत्तम प्रदर्शन की प्रेरणा देती है, लेकिन क्या यह धोखाधड़ी और अनैतिक व्यवहार के लिए भी प्रेरित कर सकती है? पर्याप्त उदाहरणों के साथ चर्चा कीजिए।

डार्विन के उत्तरजीविता सिद्धान्त से लेकर हीगल तक का दर्शन, प्रतियोगिता के माध्यम से श्रेष्ठतम के चयन को सिद्ध करता है।

प्रतियोगिता व्यक्ति/संगठन को अपना श्रेष्ठतम प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करती है, साथ ही यह व्यक्ति के समय प्रतिद्वंद्वी के प्रदर्शन का मानक निर्धारित कर उस स्तर से अच्छे प्रदर्शन हेतु निर्देशित करती है।

उदाहरण के लिए चीन तथा संयुक्त राज्य अमेरिका के मध्य ओलंपिक खेलों में पदक तालिका में सर्वोच्च स्थान प्राप्त करने की प्रतियोगिता का ही प्रतिफल है कि फेलप्स, वांग यू जैसे महान खिलाड़ियों का जन्म हुआ।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

किंतु, प्रतियोगी माहौल में साध्य को ही सफलता का मानक मानकर साधन को तिलांजली देना अनैतिक व्यवहार को, धोखाधड़ी को जन्म देता है, जिसमें अनुचित साधनों के प्रयोग के बल पर सफलता प्राप्त कर उसे प्रचारित करने की प्रवृत्ति की जाती है।

उदाहरण के लिए, हालिया वर्षों में पदकों की प्रतियोगिता में सर्वश्रेष्ठ स्थान पाने के लिए डोपिंग का प्रयोग किया जाना अनैतिक व्यवहार व धोखाधड़ी को व्याख्यायित करता है।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

5. (a) "A person may cause evil to others not only by his actions but by his inaction, and in either case he is justly accountable to them for the injury". Explain the statement giving one example each from personal and public life. 10

"व्यक्ति न केवल अपने कार्यों द्वारा, बल्कि अपनी निष्क्रियता द्वारा भी दूसरों को क्षति पहुंचा सकता है, और दोनों ही स्थितियों में हुए नुकसान के लिए वह उनके प्रति उचित रूप से जवाबदेह होता है।" व्यक्तिगत और सार्वजनिक जीवन से एक-एक उदाहरण देते हुए इस कथन की व्याख्या कीजिए।

प्रसिद्ध कथन है कि दुनिया को नुकसान दुर्जन की सक्रियता से कम, सज्जन की निष्क्रियता से अधिक है, मार्क्सवाद की विचारधारा तो घोषित स्तर पर निष्क्रियता को पाप घोषित करती है।

दुर्जन व्यक्ति के जहाँ कार्य इस समाज में नकारात्मकता भरते हैं, वहीं संख्याबल में अधिक होने के बावजूद सज्जन वर्ग की निष्क्रियता नकारात्मक संदेश को अधिक प्रसारित करती है, जिसे देखकर अन्य व्यक्ति भी निष्क्रियता को प्राप्त करते हैं।

विश्वविद्यालय अध्ययन के दौरान हमारे नजरों के सामने इस सर्वाधिक नशीले पदार्थों के सेवन का प्रयोग कुछ सहपाठियों ने करना प्रारंभ

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

किया, किन्तु शेष हम सभी विद्यार्थियों ने इसे उनका व्यक्तिगत नुकसान मानकर निष्क्रियता प्रदर्शित की, किंतु यह अत्यंत खेद का विषय है कि हमारी निष्क्रियता के प्रभाव के कारण अंतिम वर्ष तक आते-आते ड्रग्स एक लाइलाज बिमारी का रूप लेकर लगभग चौथाई सहपाठियों को अपनी गिरफ्त में ले चुका था।

ऐसे ही मुंबई में एक छोटे अपराधी के प्रति पुलिस के साथ-साथ समाज ने निष्क्रियता का भाव दिखाया तो उससे पश्रय पाकर वह अंडरवर्ल्ड का सरगना दाउद इब्राहिम बनकर उभरा, जो आज भारत का सबसे वांछित अपराधी है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(b) "A people that values its privileges above its principles soon loses both." What does this quotation mean to you? Explain with an example. 10

"वे लोग जो अपने सिद्धांतों की तुलना में अपने विशेषाधिकारों को महत्व देते हैं, शीघ्र ही दोनों को खो देते हैं।" आपके लिए इस उद्धरण का क्या अर्थ है? उदाहरण सहित व्याख्या कीजिए।

सिद्धान्तों से तात्पर्य उन मूल्यों एवं आदर्शों से है, जिन्हें मानक मानकर कोई व्यक्ति कृत्य / अकृत्य, शुभ - अशुभ का भेद करता है। वस्तुतः इन सिद्धांतों के अनुकरण से प्राप्त सम्मान ही व्यक्ति को विशेषाधिकार दिलवाते हैं।

किंतु यदि व्यक्ति का उद्देश्य ही विशेषाधिकारों को ही सर्वोपरि मानना हो जाए, तो अपनी महत्वाकांक्षा की पूर्ति के लिए उसे अपने सिद्धांतों से समझौता करना पड़ता है। आचरण का मानक स्तर हट जाने के कारण व्यक्ति उचित / अनुचित का भेद भूल जाता है, व अंततः सम्मान के साथ विशेषाधिकारों को भी खो बैठता है।

उदाहरण के लिए, अर्जेंटीना

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

के मशहूर फुटबॉलर डिएगो मैरेडोना को अपने देश में भगवान का दर्जा प्राप्त था, क्योंकि खेल के अतिरिक्त सामाजिक जीवन के प्रति अपने सिद्धांतों को लेकर वे प्रतिबद्ध थे, किंतु सार्वजनिक सिद्धांतों के परित्याग ने उन्हें एक दुराचारी / नियमों का उल्लंघन करने वाले व्यक्ति के रूप में बदल दिया, और अंततः आप चाहे वो खेल के क्षेत्र में पूज्यनीय हों किंतु सामाजिक विशेषाधिकारों को खो चुके हैं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

6. Instances of atrocities against dalits despite stringent legal measures point to the fact that the problem is not one of legality only but a matter of entrenched social prejudices and attitude. In this context suggest some effective measures to address the issue holistically. 10

कठोर कानूनी उपायों के बावजूद दलितों के विरुद्ध अत्याचार के विभिन्न उदाहरण इस तथ्य को इंगित करते हैं कि समस्या केवल कानूनी नहीं है अपितु यह दृढ सामाजिक पूर्वाग्रहों और अभिवृत्ति का मामला है। इस संदर्भ में मुद्दे के समग्र समाधान के लिए कुछ प्रभावी उपायों का सुझाव दीजिए।

तमाम संवैधानिक प्रावधानों व कानूनी उपायों के बावजूद दलित वर्ग के विरुद्ध अपराधों का स्तर आज भी कमोबेश बराबर है, इसके मूल में निम्न कारण देखे जा सकते हैं -

(1). दलितों की कानूनी प्रक्रिया द्वारा बेहतर होती सामाजिक स्थिति, सामाजिक स्वीकार्यता प्राप्त नहीं कर पाई है।

(2). अधिकांशतः दलित अत्याचार ग्रामीण क्षेत्रों में दिखते हैं, जहाँ जागरूकता व साक्षरता का स्तर न्यून है।

(3). घटते आर्थिक अवसरों, रोजगार उपलब्धता का दोष आरक्षण पर आरोपित करने की मानसिकता दलित अत्याचार को प्रेरित करती है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(1). लम्बे ऐतिहासिक व सामाजिक कारणों के कारण विकसित हुआ दुराग्रह सीमित उपलब्धियों के आधार पर नहीं तोड़ा जा सकता।

समाधान हेतु उपाय-

1). स्कूली शिक्षा में एक कक्षा में समान बर्ताव द्वारा बच्चों के भीतर से भेदभाव के बीज को समाप्त किया जाए।

2). कानूनों के प्रति जागरूकता को बढ़ाकर।

3). दलित वर्ग को आर्थिक के साथ सामाजिक स्तर भी उपलब्ध कराना। (मिड-डे-मील में भोजनमाता के रूप में दलित व्यक्ति की नियुक्ति का प्रावधान श्रेष्ठ कदम है।)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

7. What do you mean by 'anonymity in the civil services'? Explain why anonymity and neutrality are considered as important traits for civil servants. 10

'सिविल सेवा में अवैयक्तित्व (anonymity)' से आपका क्या आशय है? व्याख्या कीजिए कि क्यों अवैयक्तित्व और तटस्थता सिविल सेवकों के लिए महत्वपूर्ण लक्षण माने जाते हैं।

सिविल सेवक द्वारा किये गए कार्य की सफलता का प्रचार व्यक्तिगत उपलब्धि के तौर पर न कर, सामूहिक सफलता के रूप में उसे अपनाना अवैयक्तित्व का सिद्धांत कहलाता है। अशोक के शिलालेख के अनामिता सिद्धांत से लेकर वर्तमान सिविल सेवक आचरण संहिता में वैयक्तिकता के सिद्धांत को नकारने की बात अवैयक्तित्व के महत्व को दर्शाती है।

वस्तुतः अवैयक्तित्व व तटस्थता सिविल सेवक के आधारभूत लक्षण है, क्योंकि -

1). यह सत्ता के केन्द्रीकरण के बजाय सामूहिकता की सफलता को प्रदर्शित करता है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

२). टीम भावना को मजबूती प्रदान करता है।

३). तटस्थता का भाव श्रेष्ठतम चयन का आधार बनता है।

४). यह संस्था की निष्पक्षता पर लोगों का भरोसा बनाए रखता है।

५). ये दोनों सिद्धांत शासन में पारदर्शिता, उत्तरदायित्व की वस्तुनिष्ठता का विकास कर सुशासन की नींव बनते हैं।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

8. Prescription of dresscode for women not only violates their liberty but also reflects outdated views on gender relations as well as proper conduct. Comment. 10

महिलाओं के लिए ड्रेसकोड का विधान न केवल उनकी स्वतंत्रता का उल्लंघन करता है, अपितु यह लैंगिक संबंधों और साथ ही उचित आचरण संबंधी दकियानूसी विचारों को भी प्रदर्शित करता है। टिप्पणी कीजिए।

महिलाओं की सार्वजनिक स्थलों पर उपस्थिति के समय उनके परिधान का निर्धारण यदि पुरुषसत्तात्मक दृष्टिकोण को ध्यान में रखकर किया जाए तो निश्चित रूप से यह दकियानूसी विचारों का समर्थन होगा।

वस्तुतः विभिन्न धर्मों में बुर्का से लेकर घूंघट या विक्टोरियन युगीन वस्त्र स्त्रियों की स्वतंत्रता पर अंकुश लगाने वाले माध्यम ही सिद्ध हुए हैं तथा सामाजिकरण की प्रक्रिया के तहत इन्हें परंपरा, अस्मिता के नाम पर अनिवार्य घोषित कर दिया जाता है।

वस्तुतः यह महिलावर्ग को वस्तुकरण के नजरिए से देखने का भी

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

कारक बनता है।

महिला अधिकारों की दृष्टि से विकसित माने जाने वाले देशों में इसी कारण वस्त्रों, ड्रेसकोड आदि के प्रति आग्रह नहीं दिखता है। जैसे-जैसे महिला अधिकारों के प्रति सजगता व जागरूकता में वृद्धि हो रही है, वैसे-वैसे ऐसी जड़-परंपरागत विचारों को त्यागने की गति भी तीव्र होती जा रही है, जो कि एक शुभ संकेत है।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

In the following questions, carefully study the cases presented and then answer the questions that follow (in around 250 words):

9. You are DM of of a very poor district in the hinterland of India. It has come to your notice that manual scavenging is widely prevalent in the district even though the new law prohibits manual scavenging in any form. Upon enquiry, you have found that the number of manual scavengers has been reported to be very low, however, hundreds of dry latrines in the district depict a different picture. You have also noticed two more important trends: first, most of the manual scavengers are Dalits, and second, in many of the cases they themselves go to the houses and request the owners to clean their toilets manually, as it would provide monetary benefits. The entire district administration has been criticized by the media and there is political pressure on you to manipulate the data in a way that it shows less number of manual scavengers in the district. Based on the given information answer the following:

1. Identify the ethical issues associated with manual scavenging.
2. List the options available to you in the given case. Evaluate the merits and demerits of each.
3. Discuss some feasible steps that you can take to control this serious problem. 20

आप भारत के अंदरूनी क्षेत्र में एक बहुत-ही पिछड़े जिले के डी.एम. हैं। आपको यह पता चला है कि नये कानून द्वारा किसी भी रूप में मैला ढोने की प्रथा पर प्रतिबंध लगाए जाने के बावजूद जिले में यह व्यापक रूप से प्रचलित है। पूछताछ करने पर आपको ज्ञात होता है कि मैला ढोने वालों की संख्या बहुत कम बताई गई है, जबकि जिले में सैकड़ों शुष्क शौचालय अलग ही तस्वीर प्रस्तुत करते हैं। आप दो अन्य महत्वपूर्ण प्रवृत्तियों का भी अवलोकन करते हैं: पहला, अधिकांश मैला ढोने वाले दलित हैं और दूसरा, कई प्रकरणों में वे स्वयं घरों में जाते हैं और गृहस्वामियों से उनका शौचालय हाथ से साफ करने का अनुरोध करते हैं, क्योंकि इससे मौद्रिक लाभ होगा। संपूर्ण जिला प्रशासन की मीडिया द्वारा आलोचना की गई है। इस कारण आप पर आंकड़ों में इस प्रकार से हेरफेर करने का राजनीतिक दबाव है जिससे जिले में मैला ढोने वालों की कम संख्या का पता चले। दी गई जानकारी के आधार पर निम्नलिखित का उत्तर दीजिए:

1. मैला ढोने से संबद्ध नैतिक मुद्दों को चिन्हित कीजिए।
2. दिए गए प्रकरण में आप स्वयं के लिए उपलब्ध विकल्पों को सूचीबद्ध कीजिए। प्रत्येक विकल्प के गुणों-अवगुणों का मूल्यांकन कीजिए।
3. आपके द्वारा इस गंभीर समस्या को नियंत्रित करने के लिए उठाए जा सकने वाले कुछ व्यावहारिक कदमों की चर्चा कीजिए।

1). मैला ढोने की प्रथा से संबंधित नैतिक मुद्दे -

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(a). यह मानवीय गरिमा के प्रतिकूल है।
(b). व्यक्ति के विकास के मानसिक स्तर को बाधित करती है।
(c). सामाजिक अस्पृश्यता को जन्म देती है।
(d). सजग व सक्षम प्रशासन के नैतिक कर्तव्य पर प्रश्नचिह्न लगाती है।

२). उपर्युक्त स्थिति में निम्न विकल्प उभरते हैं —

(a). मीडिया को प्रशासनिक भय द्वारा, आर्थिक लाभ प्रदान कर शांत किया जाए व यथास्थिति बने रहने दी जाए।
(b). इस प्रथा के गैरकानूनी होने के आधार पर मैला ढोने वालों व सेवा लेने वालों दोनों को कानून का भय दिखाकर प्रथा पर रोक लगा दी जाए।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(c). कानूनी प्रक्रिया द्वारा प्रथा पर रोक लगा, NGOs की मदद से आधुनिक शौचालयों का निर्माण कर एवं जागरूकता प्रसार द्वारा इस प्रथा को जड़ से समाप्त किया जाए।

प्रथम विकल्प राजनीतिक दबाव तो समाप्त कर देगा, किंतु यह प्रशासनिक अकर्मण्यता को दर्शाता है।

द्वितीय विकल्प के तहत अस्थायी तात्कालिक स्तर पर समस्या तो समाप्त हो जाएगी, किंतु यह प्रशासक की दूरदृष्टि के प्रतिकूल कदम होगा।

तृतीय विकल्प सर्वश्रेष्ठ है, जो समस्या का दीर्घकालिक समाधान देगा, तथा रचनात्मक प्रशासनिक कार्यवाहियों की जानकारी मीडिया द्वारा प्रसारित कर तात्कालिक दबाव को भी समाप्त किया जा सकता है।

Call us : 9650617807, 9968029039
Blog : www.visionias.wordpress.com
Visit us : www.visionias.in
Email : ajay.visionias@gmail.com

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

3). व्यवहारिक कदम-

(A) दलित समुदाय को अधिकारों के प्रति जागरूक करने हेतु नुक्कड़ नाटक आदि का आयोजन।

(B) दलित समुदाय के बच्चों को अनिवार्य शिक्षा, ताकि वो स्वतः इन कार्यों से दूर रहें।

(C) NGOs का सहयोग लेकर सभी के लिए शौचालय निर्माण व उसके प्रयोग को प्रोत्साहित करना।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

10. You are SP of a district where the use of drugs is prevalent, especially among the youth. The neighbouring districts are also suffering from the same problem. There is a huge hue and cry in the national media about the drug issue and the government and political parties are pressurising the police and district administration to act on the issue. A big deal of drugs is busted by the police in your area and all the culprits have been arrested. However, even before you reach your office, a minister from the ruling party of the state calls and asks you to release few of the culprits. You have long suspected the role of many senior leaders in this drug menace of the state. You have also been informed by your juniors that a few officers who dared to act against people involved in drug dealings were transferred or suspended on wrong charges earlier.

1. Identify the options available to you.
2. Evaluate the pros and cons of each of your options. 20

आप एक ऐसे जिले के एस.पी. हैं जहां मादक पदार्थों का व्यापक उपयोग होता है, विशेष रूप से युवाओं के बीच यह सर्वाधिक प्रचलित है। पड़ोसी जिले भी इसी समस्या से ग्रसित हैं। मादक पदार्थों से जुड़े मुद्दे के संबंध में राष्ट्रीय मीडिया में हायतौबा मची है और इस मुद्दे पर कार्रवाई करने के लिए सरकार और राजनीतिक दल पुलिस एवं जिला प्रशासन पर दबाव डाल रहे हैं। आपके क्षेत्र में मादक पदार्थों की एक बड़ी डील का पुलिस द्वारा भंडाफोड़ किया जाता है और सभी अपराधियों को गिरफ्तार कर लिया जाता है। हालांकि, इससे पहले कि आप अपने कार्यालय पहुंचते, राज्य के सत्तारूढ़ दल का एक मंत्री आप को बुलाता है और कुछ अपराधियों को छोड़ने के लिए कहता है। आप लंबे समय से राज्य में मादक पदार्थ से जुड़े इस खतरे में कई वरिष्ठ नेताओं की भूमिका पर संदेह करते रहे हैं। आपको, आपके कनिष्ठों द्वारा सूचित किया जाता है कि मादक पदार्थों की डीलिंग में सम्मिलित लोगों के विरुद्ध कार्रवाई करने का साहस जुटाने वाले कुछ अधिकारियों को पूर्व में गलत आरोपों में स्थानांतरित या निलंबित किया जा चुका है।

1. स्वयं के समक्ष उपलब्ध विकल्पों की पहचान कीजिए।
2. अपने प्रत्येक विकल्पों के पक्ष-विपक्ष का मूल्यांकन कीजिए।

1). उपर्युक्त स्थिति में निम्नलिखित विकल्प है —

(A) मंत्री की बात मानकर कुछ अपराधियों को छोड़ दूँ ताकि निलंबन / स्थानांतरण न हो।

(B) व्यक्तिगत स्तर पर मीडिया के

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

समक्ष पूरे विरोध को राजनीतिक गठजोड़ सहित सामने ले आऊँ।

(c). मामले को तमाम सबूतों के साथ वरिष्ठ अधिकारियों से विचार विमर्श कर, पड़ोसी जिले में भी समकक्ष अधिकारी को समान कार्यवाही के लिए प्रेरित करूँ तथा सम्मिलित रूप से तमाम सबूतों के साथ मीडिया के समक्ष मामले को सामने लाऊँ।

२). प्रथम विकल्प व्यक्तिगत हित की तो पूर्ति करेगा, किंतु प्रशासनिक विश्वसनीयता के साथ आंतरिक ग्लानि भी उत्पन्न करेगा।

(b). द्वितीय विकल्प तात्कालिक रूप से विरोध को तो सामने ले आएगा, किंतु राजनीतिक गठजोड़ मामले को समाप्त कर देगा। अतः कोई भी लाभ नहीं होगा।

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

तृतीय विकल्प जहाँ पूरी छानबीन के कारण पूरे संगठन को सामने ले आएगी, वहीं मीडिया व पड़ोसी जिले का सहयोग जनता के समक्ष वास्तविक स्थिति रखकर जन-समर्थन प्रदान कर राजनीतिक दबाव को समाप्त करेगा, जो कि व्यक्तिगत व सार्वजनिक हित के अनुकूल होने के साथ-साथ युवाओं के भी दीर्घकालिक हित में होगा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

11. You are the manager of a small hotel which maintains high standards of ethics in dealing with its customers. One day a person comes to your hotel and enquires about booking a room at your hotel. However, due to peak season, all rooms were already booked and hence the staff politely informed him about the unavailability. The person, however, was adamant and took this as a personal insult and started misbehaving with the staff present at the counter. Citing his political connection he also threatened the staff of severe consequences. Next day the person lodged a frivolous complaint with the police under the stringent SC/ST act. In his complaint he accused you and your staff of insulting him deliberately on the basis of his caste. He insisted further that he was denied a room at your hotel due to the caste he belongs to.

1. What are the options available to you?
2. Evaluate each of these options and choose the option which you would adopt, giving reasons. 20

आप एक छोटे से होटल के प्रबंधक हैं जिसका अपने ग्राहकों से व्यवहार का उच्च नैतिक मानक है। एक दिन एक व्यक्ति आपके होटल में आता है और आपसे होटल में कमरा बुक करने के संबंध में पूछताछ करता है। हालांकि, पीक सीजन होने के कारण सभी कमरे पहले से ही बुक हैं और इसलिए कर्मचारी विनम्रता पूर्वक उसे अनुपलब्धता के संबंध में सूचित करता है। लेकिन वह व्यक्ति हठी था और इसे व्यक्तिगत अपमान के रूप में ले लेता है और काउंटर पर उपस्थित कर्मचारियों के साथ दुर्व्यवहार पर उतर आता है। अपने राजनीतिक संबंधों का हवाला देते हुए वह कर्मचारियों को गंभीर परिणाम की धमकी देता है। अगले दिन वह व्यक्ति कठोर एस.सी./एस.टी. अधिनियम के तहत पुलिस के पास ओछी शिकायत दर्ज करवाता है। अपनी शिकायत में वह आप पर और आपके कर्मचारियों पर अपनी जाति के आधार पर जानबूझ कर अपमान करने का आरोप लगाता है। वह आगे कहता है कि वह जिस जाति से संबंध रखता है, उसके कारण उसे आपके होटल में कमरा देने से मना किया गया था।

1. आपके समक्ष उपलब्ध विकल्प क्या हैं?
2. इनमें से प्रत्येक विकल्प का मूल्यांकन कीजिए और स्वयं द्वारा चुने जाने वाले विकल्प का कारण बताइए।

1) उपर्युक्त स्थिति में मेरे समक्ष निम्न विकल्प हैं—

(A) कार्यवाही से घबराकर उस व्यक्ति की मांगे मान ली जायें,

(B). सम्पूर्ण वस्तुस्थिति को पुलिस के सामने रखकर अपनी ग्राहक

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

केन्द्रित कार्यसंस्कृति से परिचित कराया जाए, तथा उस जाति के ऐसे लोग जिन्हें पूर्व में कमरा दिया गया था, के रिकार्ड उपलब्ध करवाकर वस्तुस्थिति स्पष्ट कर दी जाए,

२). प्रथम विकल्प जहाँ आंतरिक अशांति को जन्म देगा वहीं कर्मचारी वर्ग के मन में भी सत्यनिष्ठा की भावना को कम कर कार्यसंस्कृति को भी दुष्प्रभावित करेगा,

दूसरा विकल्प जहाँ एक ओर मुझे नैतिक स्तर पर सही सिद्ध करेगा, वहीं कर्मचारी वर्ग में भी कार्यस्थल व आचरण संहिता के प्रति समर्पण भाव को बढ़ाएगा, साथ ही साथ उस व्यक्ति को कानून के दुरुपयोग के दुष्परिणामों से अवगत कराकर, कानून की गरिमा

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

को भी बनाए रखेगा, इन कारणों से मैं दूसरे विकल्प का चयन ~~करेगा~~ करूँगा।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

12. You are the Health Secretary in a state where there is an outbreak of dengue and chikungunya diseases. There have been reports of negligent attitude of some private hospitals in the city. Also, the public hospitals do not have the required infrastructure and staff to meet such increased number of cases in a short span of time. Additionally, the staff is demoralised by the increased working hours and the public outrage. Despite the efforts of the local authorities this issue emerges year after year.

1. What are the immediate steps which should be taken in such a situation?
2. Suggest some long term measures to ensure that such a situation is not repeated. 20

आप एक ऐसे राज्य में स्वास्थ्य सचिव हैं जहां डेंगू और चिकनगुनिया रोगों का प्रकोप है। शहर में कुछ निजी अस्पतालों के उपेक्षा भरे रवैये की भी सूचना है। इसके साथ ही, सरकारी अस्पतालों में इतने कम समय में इन मामलों की इतनी बढ़ती संख्या का सामना करने के लिए आवश्यक अवसंरचना और कर्मचारी नहीं है। इसके अतिरिक्त, कर्मचारी काम के घंटे में वृद्धि और जनता के आक्रोश से हतोत्साहित हैं। स्थानीय प्राधिकरणों के प्रयासों के बावजूद यह समस्या वर्ष दर वर्ष बढ़ती जा रही है।

1. ऐसी स्थिति में उठाये जा सकने वाले तत्कालिक कदम क्या होंगे?
2. यह सुनिश्चित करने के लिए कि ऐसी स्थिति की पुनरावृत्ति न हो, कुछ दीर्घकालिक उपायों का सुझाव दीजिए।

उपर्युक्त स्थिति में उठाए जा सकने वाले तात्कालिक कदम निम्नवत हो सकते हैं:—

1). स्वास्थ्य आपात की घोषणा कर निजी अस्पतालों को, 25% बेड, सरकारी अस्पतालों से ट्रांसफर आधार पर भर्ती करवाने होंगे।

2). साथ ही मामले की गंभीरता को देखते हुए तात्कालिक लाभ के लिए पड़ोसी राज्य से स्वास्थ्यकर्मी

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

आमंत्रित किये जा सकते हैं।

3). कर्मचारी वर्ग को अतिरिक्त बोनस प्रेरक वक्तव्यों द्वारा उत्साहित किया जाए।

4). जागरूकता अभियान द्वारा वस्तुस्थिति से अवगत कराकर जनाक्रोश थामा जाए।

2). दीर्घकालिक उपाय —

A). आशा कार्यकर्ताओं, स्थानीय युवकों को संभावित बिमारियों से रोकथाम का प्रशिक्षण देकर आपातकाल में उनकी सेवा।

B). शासकीय स्तर पर, चिकित्सक रोगी अनुपात को बेहतर करने की दिशा में प्रयत्न करने होंगे।

C). जागरूकता अभियान द्वारा बिमारियों के मूल के प्रति

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

लोगों को प्रशिक्षित कर रोग से बचाव के प्रयास।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

13. As a Forest Officer, you are receiving increasing complaints of certain animals ruining the farms and causing damage to crops. This is creating an undue financial burden for the farmers who are in deep distress because of the uncontrolled damage. Consequently, the farmers are demanding you to put forward a request for culling of animals. You are an animal lover and against culling of animals. You had made efforts to control the menace but the population of animals has increased beyond the managing capacity.

1. What are the options available to you? Evaluate each of these options and choose the option which you would adopt, giving reasons.
2. Also suggest some long term measures to ensure that such a situation is not repeated. 20

एक वन अधिकारी के रूप में, आपको कुछ जानवरों द्वारा खेतों को बर्बाद करने और फसलों को क्षतिग्रस्त करने की बढ़ रही शिकायतें मिलती हैं। यह ऐसे किसानों पर अनुचित वित्तीय बोझ डाल रहा है जो अनियंत्रित क्षति के कारण गहरे संकट में हैं। परिणामस्वरूप, किसान जानवरों को मारने के लिए आपसे अपने वरिष्ठों से अनुरोध करने की मांग कर रहे हैं। आप पशु प्रेमी हैं और जानवरों को मारने के विरुद्ध हैं। आप उक्त समस्या को नियंत्रित करने का प्रयास कर चुके हैं, लेकिन जानवरों की आबादी प्रबंधन क्षमता से अधिक बढ़ गई है।

1. आपके समक्ष उपलब्ध विकल्प क्या हैं? इन उपलब्ध विकल्पों में से प्रत्येक का मूल्यांकन कीजिए और बताईए कि आप किस विकल्प को चुनेंगे। अपने उत्तर के पक्ष में तर्क दीजिए।
2. इसके साथ ही यह सुनिश्चित करने के लिए कि ऐसी स्थिति की पुनरावृत्ति न हो, कुछ दीर्घकालिक उपायों का सुझाव दीजिए।

1). उपयुक्त स्थिति में निम्न विकल्प हैं —

(A) जनता की मांग मानकर जानवरों को मारने की व्यक्तिगत अनुमति दे दी जाए।

(B) व्यक्तिगत पशुप्रेम को महत्व देकर जनता की मांग को अनसुना कर दें।

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(c) वरिष्ठ अधिकारियों को वस्तुस्थिति बताकर विकल्प सुझाऊँ कि

(i) फसल बर्बाद कर रहे आक्रांत पशु को ही मारने की अनुमति दी जाए।

(ii) प्रयत्न किया जाए कि जानलेवा गोलियों के बजाय पैलेट गन का प्रयोग किया जाए।

(iii) जंगल के सीमावर्ती क्षेत्र में तारबाड़ की व्यवस्था कर जानवरों की आवाजाही को रोका जाए।

प्रथम विकल्प जनता की समस्या को सुलझा देगा, किंतु व्यक्तिगत मान्यताओं व पर्यावरण संवेदना के प्रतिकूल होगा।

द्वितीय विकल्प व्यक्तिगत स्तर पर तो सुख प्रदान करेगा

Don't write anything this margin
(इस भाग में कुछ ना लिखें)

किंतु प्रशासनिक असंवेदनशीलता को दर्शाएगा।

तीसरा विकल्प सर्वश्रेष्ठ है। क्योंकि न केवल यह व्यक्तिगत हानि (मान्यता) की तीव्रता को कम कर रहा है, बल्कि प्रशासन के जनहितकारी व पर्यावरण संवेदी रूप के अनुसार भी है। अतः इस स्थिति में मैं तीसरा विकल्प चुनूँगा।

२). दीर्घकालिक उपाय-

(i) जंगली सीमावर्ती क्षेत्र में तारबाड़ का प्रबंध।

(ii) पारंपरिक उपायों (खेतों में कृत्रिम मनुष्य का ढाँचा) को विस्तृत स्तर पर लागू किया जाए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

(iii) आधुनिक तकनीकी उपायों (जानवर आने पर सायरन आदि) का प्रयोग कर दोनों पक्षों की क्षति को न्यूनतम किया जाए।

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

14. Dr. A.K. Singh, a professor of medicine, is a prominent cardiologist. His personal financial investments include significant stock holdings in three publicly traded biotechnology firms. He is approached by one of these firms to be a lead investigator in a therapeutic trial of a novel agent for preventing tissue damage from myocardial infarction (MI). This will be a randomized double-blinded, placebo-controlled clinical trial (neither patient nor physician will know whether the drug under investigation or a placebo is being used in a given patient). Dr. Singh is quite familiar with the preliminary animal and cell biology work in the area and believes that there is an excellent chance that this new drug will result in a significant improvement in survival and reduce damage to the heart muscle. He even thinks this novel agent may reduce the risk of heart failure and irregular beats. Dr. Singh's group is one of the few cardiology groups fully prepared to carry out this investigation, which is why he was contacted. He cares for a large number of patients with MI and believes that he could enroll numerous patients efficiently. The drug will only be available to his patients if his group participates in the trial. The company is offering Rs. 25 lakh for each patient enrolled. As a lead investigator, he will become much better known and will likely experience an increase in referrals if the trial succeeds.

1. Is Dr. Singh's participation in this study appropriate? Justify your position.
2. Does Dr. Singh have a conflict of interest? If so, what is the nature of the conflict? How could it be mitigated.
3. How would the nature of the conflict of interest be different had he not already owned stock, but instead had been offered stock as a form of compensation for conducting the study? 20

मेडिसिन के प्रोफेसर डॉ. ए. के. सिंह प्रमुख हृदय रोग विशेषज्ञ हैं। उनके व्यक्तिगत वित्तीय निवेश में सार्वजनिक रूप से व्यापार करने वाली जैव प्रौद्योगिकी की तीन कंपनियों में बड़ी शेयर धारिता सम्मिलित है। उनसे म्योकॉर्डियल इन्फैर्क्सन (एम.आई.) से ऊतकों को होने वाली क्षति की रोकथाम करने के लिए एक नए एजेंट के चिकित्सीय परीक्षण में प्रमुख अन्वेषक बनने के लिए इन में से एक कंपनी द्वारा संपर्क किया जाता है। यह अक्रमिक, दोहरा अज्ञात, प्लेसबो- नियंत्रित नैदानिक परीक्षण है (परीक्षण या प्लेसबो के अंतर्गत औषधि, रोगी में प्रयोग की जा रही है या नहीं, न तो रोगी और न ही चिकित्सक को इसका पता चलता है)। डॉ. सिंह इस क्षेत्र में आरंभिक जन्तु और कोशिका जीव विज्ञान के काम से काफी परिचित है। उनका मानना है कि इस नई दवा के परिणामस्वरूप जीवन में महत्वपूर्ण सुधार होने की बहुत अच्छी संभावना है और हृदय की मांसपेशियों की क्षति भी कम होगी। उन्हें यहां तक लगता है कि यह नया एजेंट हृदयाघात और अनियमित धड़कन का खतरा कम कर सकता है। डॉ. सिंह का समूह इस प्रकार के परीक्षण का संचालन करने के लिए पूर्णतया तैयार कुछ हृदय रोग विशेषज्ञ समूहों में से एक है, इसीलिए उनसे संपर्क किया गया है। वह एम.आई. से बड़ी संख्या में रोगियो का इलाज करते हैं और उनका मानना है कि वह कई रोगियों को कुशलता से नामांकित कर सकते है। यह दवा उनके मरीजों के लिए केवल तभी उपलब्ध होगी यदि

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

उनका समूह इस परीक्षण में भाग लेगा। कंपनी, प्रत्येक नामांकित रोगी के लिए 25 लाख रुपए प्रदान कर रही है। प्रमुख अन्वेषक के रूप में, वह अधिक प्रसिद्ध हो जाएंगे और यदि परीक्षण सफल हो जाएगा तो रेफरल में वृद्धि की संभावना होगी।

1. क्या इस अध्ययन में डॉ. सिंह की भागीदारी उचित है? अपना औचित्य सिद्ध कीजिए।
2. क्या डॉ. सिंह हितों के टकराव से जुड़े हैं? यदि हां, तो ऐसे टकराव की प्रकृति क्या है? इसका शमन कैसे किया जा सकता है।
3. यदि उनके नाम पहले से ही शेयर नहीं होते तथा उक्त अध्ययन के संचालन के एवज में शेयर का प्रस्ताव किया गया होता तो हितों के टकराव की प्रकृति किस प्रकार अलग होती?

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)

VISION IAS™

Don't write anything this margin (इस भाग में कुछ ना लिखें)